डेल्टा क्या है (What is Delta)

किसी भी नदी के प्रवाह में बहने वाले तलछट के ऐसे स्थान में ठहरने व फैलने से बने त्रिभुज आकार के स्थल को कहते हैं, जहाँ नदी का बहाव धीमा हो जाता है। डेल्टा ऐसी जगहों में देखा जाता है जहाँ नदी किसी सागर, महासागर, समुद्र, झील या अन्य जलाशय में मिलती है। विश्व का सबसे बड़ा नदी डेल्टा सुंदरवन डेल्टा है।

- नदी अपने उद्गम से निकलकर बहते हुए अंत में किसी सागर या झील में गिरती या किसी अन्य जल स्रोत में मिलती है तो उसके ढाल में कमी के कारण नदी के अपरदन द्वारा उत्पन्न अवसादों को अपने मुहाने पर इकट्ठा करती है, जिससे एक त्रिभुजाकार आकृति का निर्माण होता है इसे डेल्टा कहते हैं।
- जब नदी के अन्तिम भाग पर ढलान कम हो जाती है और अवसादों की अधिकता हो जाती है। तो नदी की प्रवाह गति धीमी हो जाती है जिस कारण से वहाँ पर अवसादों का जमाव होने लगता है तथा इस जमाव से ही एक विशेष प्रकार के त्रिभुजाकार स्थल का निर्माण होने लगता है और इसे ही डेल्टा कहते है।
- डेल्टा शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हेरोडोटस ने नील नदी के लिए किया था।

डेल्टा (Delta) : डेल्टा निर्माण की परिस्थितियाँ

- डेल्टा का विस्तार नदी के मुहाने की ओर से होता है, जैसे-जैसे नदी अवसादों का जमाव करती जाती है, जिस कारण नदी कई अलग-अलग धाराओं में बंट जाती है और एक त्रिभुजाकार क्षेत्र बनाती है।
- डेल्टा के द्वारा मुख्यतः उपजाऊ मिट्टी का निर्माण होता है।
- परन्तु प्रत्येक नदी डेल्टा नहीं बनाती है। नदियों द्वारा कुछ आवश्यक दशाओं में ही डेल्टा बनाया जाता है जो कि निम्नलिखित हैं:

1. नदी में अत्यधिक निक्षेप हो।
2. डेल्टा के निर्माण के लिए नदी मुहाने का जल शान्त होना चाहिए।
3. डेल्टा बनाने के लिए उचित स्थान होना चाहिए।
4. नदी का तट स्थिर होना चाहिए।
5. धरातल समतल होना चाहिए और नदी का वेग मुहाने पर धीमा होना चाहिए ताकि नदी का पानी कई शाखाओं में बंट जाये और डेल्टा का निर्माण हो।

डेल्टा (Delta) : डेल्टा बनाने वाली प्रमुख नदियाँ

- गंगा
- कृष्णा
- कावेरी

- नील
- डेन्यूब
- मेकाग
- राईन
- वोल्गा
- नाइजर
- सिन्धु
- ह्वांगहो

डेल्टा (Delta) : डेल्टा के प्रकार

1. चापाकार डेल्टा

इस डेल्टा का आकार धनुष के समान होता है इसका विस्तार मध्य में सर्वाधिक होता है। नदियों द्वारा लाये गये अवसादों के निक्षेप से यह धीरे-धीरे समुद्र की तरफ फैलता जाता है।

जैसे – नील नदी, गंगा का डेल्टा, राइन, नाइजर, ह्वांगहो, इरावदी, वोल्गा, सिंधु, मिकांग, पो, रोन, लीना डेल्टा आदि ।

2. पंजाकार डेल्टा

इसका आकार पक्षी के पैर के समान होता है इसलिए इसे 'पक्षी पाद' डेल्टा भी कहते हैं।

जैसे – मिसीसिपी नदी का डेल्टा

3. ज्वारनदमुखी डेल्टा

जब कभी-कभी नदी घाटी सागरीय तलों के निमज्जन क्रिया के कारण धंस जाती है तो ऐसी स्थिति में नदी पहले धंसी हुई घाटी में भराव करती है और फिर कई शाखाओं में विभाजित हो जाती है। नदी समुद्र में एक एक प्रमुख धारा के रूप में गिरती है। इसको ज्वारनद मुखी डेल्टा कहते है। इसमें मुहाने पर जमा किया गया अवसादी पदार्थ ज्वार के समय बहाकर दूर ले जाया जाता है तब उसका डेल्टा ज्वारनदमुखी डेल्टा कहलाता है। सागर तट के पठारी व पहाडी क्षेत्रों से निकलने वाली नदियाँ एस्चुरी का निर्माण करती है।

जैसे – नर्मदा, ताप्ती, मैकेंजी, एल्ब, सीन, ओब, हडसन, साइन, लोअर आदि का डेल्टा।

4. रुण्डित डेल्टा

जब किसी नदी की मुख्य धारा व उसकी वितरिकाएँ द्वारा निश्चित अवसाद सागरीय लहरों व ज्वार-भाटा द्वारा बहा लिया जाता है तब नदी के मुहाने पर बनने वाली कटी-फटी आकृति के डेल्टा को 'रुण्डित डेल्टा' कहते हैं।

जैसे – वियतनाम की होंग तथा अमेरिका की रियोग्रैंडी नदी का डेल्टा।

5. पालियुक्त डेल्टा

जब नदी की मुख्यधारा की अपेक्षा उस के मुहाने पर किसी वितरिका द्वारा अलग डेल्टा का निर्माण किया जाता है, तब मुख्य डेल्टा को पालियुक्त युक्त डेल्टा कहते हैं। इसमें मुख्य डेल्टा का विकास अवरुद्ध हो जाता है।

6. प्रगतिशील डेल्टा

जब किसी नदी द्वारा सागर की ओर निरंतर अपने डेल्टा का विकास किया जाता है, तब उसे प्रगतिशील डेल्टा कहते हैं।

जैसे – गंगा तथा मिसीसिपी नदियों का डेल्टा।

7. अवरोधित डेल्टा

जब किसी नदी का डेल्टा सागरी लहरों अथवा धाराओं द्वारा अवरुद्ध कर दिया जाता है, तब उसे अवरोधित डेल्टा कहते हैं।

8. परित्यक्त डेल्टा

जब किसी नदी द्वारा पहले से निर्मित डेल्टा को छोड़कर अन्यत्र डेल्टा का निर्माण कर लिया जाता है, तब पहले वाला डेल्टा परित्यक्त डेल्टा कहलाता है।

जैसे – चीन की ह्वांगहो नदी का पुराना डेल्टा सारंग प्रायद्वीप के दक्षिणी में था, जो अब उत्तर में है।

9. अग्रवर्धी डेल्टा

जिन स्थानों पर नदी तट पर लहरों का प्रभाव अधिक होता है। लहरों के प्रभाव के कारण वहाँ निक्षेपित पदार्थ नदी तट पर दूर-दूर तक फैला जायेंगे। डेल्टा के किनारे के अवसाद तट के सहारे फैला दिए जाते हैं और मध्य का भाग नोंकदार होकर आगे निकल जाता है, वहाँ जो डेल्टा बनता है, उसे अग्रवर्धी डेल्टा कहते है।

10. नौकाकार डेल्टा

जब किसी नदी द्वारा निक्षेपित अवसादी पदार्थ धाराओं तथा लहरों द्वारा समीपवर्ती क्षेत्रों में फैला दिया जाता है, तब उनके आगे वाले भाग में नौका का डेल्टा बन जाता है।

जैसे – टाइबर नदी का डेल्टा नवका का डेल्टा है।

11. भानाकार डेल्टा

कई बार सागर की लहरें या धारायें नदी द्वारा निक्षेपिक पदार्थों को काट-छाँट कर बहा ले जाती हैं जिससे डेल्टा का स्वरूप बिगड़ जाता है। इस तरह से बने डेल्टा को भग्नाकार डेल्टा कहा जाता है।

12. पेनीप्लेन

नदी की अन्तिम अवस्था में जब समतल मैदान का निर्माण होता है। सारी असमानतायें समाप्त हो जाती है। मैदान का ढाल भी बहुत धीमी हो जाता है। कहीं-कहीं पर कुछ कठोर चट्टानें भी खडी दिखाई पड़ती हैं उन्हें मोनाॅडनाॅक्स कहा जाता है। नदी घाटी भी लगभग समतल हो जाती है। इस समय अपरदन चक्र भी समाप्त हो जाता है। लेकिन जल्द ही पुनर्युवन आ जाने से नदी पुनः अपना कार्य आरम्भ कर देती है।

डेल्टा (Delta) : सुन्दरवन डेल्टा

विश्व का सबसे बड़ा नदी डेल्टा सुंदरवन है। जो पश्चिम बंगाल राज्य में गंगा नदी के द्वारा बनाया जाता है। यही पर सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान है, यहाँ के नरभक्षी बाघ 'बंगाल टाइगर' के नाम से विश्वभर में प्रसिद्ध है। सुन्दरवन नाम यहाँ बहुत संख्या में पाये जाने वाले 'सुन्दरी वृक्षों' से पड़ा है। सुंदरवन 'राॅयल बंगाल टाइगर' का घर भी है जहाँ पूरे विश्व में सबसे ज्यादा रॉयल टाइगर निवास करते है।सुन्दरवन विश्व का सबसे बड़ा मैंगोव वनस्पति वाला जंगल है। सुंदरवन को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है।